राजस्थान सरकार
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
(अनुभाग–8)

(दूरभाष 0141–2227229, Email-pdme2k_rdd@yahoo.com)

क्रमांक 4(21)ग्रावि/अनु–8/2015/ दिनांकः 19 MAY 2018

वीडियो कॉन्फ्रेन्स कार्यवाही विवरण

प्रमुख सचिव महोदय, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की अध्यक्षता में दिनांक 16.05.2018 को वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई। वी.सी. के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को निम्न निर्देश दिये गयेः–

1. माह अप्रेल, 2018 में वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान जिलों द्वारा की गयी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गयी । समीक्षा के पश्चात् वित्तीय वर्ष 2018–19 की प्रथम तिमाही में लक्ष्य निर्धारित किये जिसके अन्तर्गत गत वर्ष की अवशेष राशि 1062.00 करोड़ का शतप्रतिशत व्यय एवं 22680 कार्यों को शत प्रतिशत पूर्ण करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। प्रतिमाह एक तिहाई लक्ष्य अर्जित करने के भी निर्देश दिये गये।

2. वित्तीय वर्ष 2018–19 की प्रथम समीक्षा हेतु रखी गयी वी.सी. के दौरान निर्धारित लक्ष्य अनुसार प्रगति अर्जित नहीं करने के कारण प्रमुख सचिव द्वारा नाराजगी जाहिर किया गया एवं निर्देशित किया गया कि इस माह में अर्जित नहीं होने वाली प्रगति एवं आगामी माह के लक्ष्य अनुसार प्रगति सुनिश्चित करें, अन्यथा स्थिति, में उत्तरदायित्व निर्धारण करते हुए कार्यवाही अमल में लायी जायेंगी।

3. जिला परिषद प्रतापगढ, बीकानेर, सिरोही, डूॅगरपुर, करौली, स0माधोपुर, चूरू व सीकर की प्रगति बहुत ही असंतोषजनक हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रतापगढ, बीकानेर समीक्षा के दौरान अपने जिले की प्रगति का सही तरह से प्रस्तुत नहीं कर सके। इस संबंध में निर्देशित किया गया कि वे अपने अधिशाषी अभियन्ता, अधिनस्थ स्टाफ पर आधारित नहीं रहें, स्वयं अपने स्तर पर समस्त योजनाओं का अध्ययन करें, समीक्षा करें एवं भविष्य में अपने जिले की प्रगति को सही तरह प्रस्तुत करें।

4. जिला करौली, स0माधोपुर, सिरोही, बांसवाडा,डूॅगरपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों द्वारा फिलहाल ही कार्य ग्रहण के कारण निर्देशित किया जाता है, कि जिले की स्थिति की स्वयं समीक्षा करें। अपने स्वयं के स्तर पर लक्ष्य अर्जित हेतु कार्य योजना का निर्धारण करें तथा निर्धारित लक्ष्य अर्जित करें।

5. वी.सी. के दौरान सभी जिलों को शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायतीराज द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी अपने जिले की प्रगति को सुधारने के लिए निरीक्षण आदि के संबंध में सुझाव दिये, जिसके अनुसार प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार मुख्य कार्यकारी अधिकारी